आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :13 अंक :325 पृष्ठ -4 दिनांक 28 नबम्बर 2024 दिन गुरूवार

संभल हिंसा बख्शे नहीं जाएंगे उपद्रवी

सार्वजनिक जगहों पर लगेंगे पत्थरबाजों के पोस्टर, होगी नुकसान की वसूली

उत्तरप्रदेश में कल का मौसम

उत्तर प्रदेश में सूर्यास्त और सूर्योदय का समय क्या है? सूर्य 06:6 उदय होगा और 17:13 अस्त होगाउत्तर प्रदेश में कल सुबह का तापमान 15°C है।हवा, नमी और अन्य मौसम की स्थितियों जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए तापमान 15°C जैसा महसूस हो सकता हैं। उत्तर प्रदेश में सुबह बारिश की संभावना 0: है, और हवा की गति 6 m/h रहेगी।

यूपी में सरकारी नौकरी का सुनहरा मौका! 12वीं पास भी कर सकते हैं आवेदन

उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे अभ्यार्थियों के लिए अच्छी खबर हैं. यूपी पुलिस कास्टेबल भर्ती प्रक्रिया के बीच अब उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने जूनियर असिस्टेंट की बड़ी भर्ती निकाली है. जिसके तहत 2702 कनिष्ठ पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया गया है. इसके लिए अभ्यार्थी 23 दिसंबर से ऑनलाइन आवेदन फार्म जमा कर सक.ेंगे. आवेदन भरने की अंतिम तारीख 22 जनवरी 2025 तक ही. अभ्यार्थियों के पास आवेदन के साथ शुल्क जमा करने की अंतिम तारीख भी 22 जनवरी ही है. नोटिफिकेशन के मुताबिक जूनियर असिस्टेंट की भर्ती के लिए आवेदन की प्रक्रिया नचेब.हवअ.पद पर 23 दिसंबर 2024 को शुरू होगी. इच्छुक अभ्यार्थी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना आवेदन और शुल्क ऑनलाइन जमा कर सकते हैं. आवेदन फॉर्म में संशोधन करने की अंतिम तारीख 29 जनवरी 2025 तक है. जूनियर असिस्टेंट पदों पर रिक्तियांयूपी अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने जूनियर असिस्टेंट के लिए अलग–अलग विभागों के लिए 2702 रिक्तियां निकाली हैं. इनमें 1099 रिक्तिया जनरल कैटेगरी के लिए रखी गई है. आर्थिक रूप से पिछड़े (ैम्) श्रेणी के अभ्यार्थियों के लिए 238, पिछड़ा वर्ग के लिए 718, अनुसूचित जाति (ैब्) वर्ग के लिए 583, अनुसूचित जनजाति वर्ग (ैज्) 64 रिक्तियां निकाली गई है. जूनियर असिस्टेंट के लिए आवश्यक योग्यता इस पद के लिए आवेदन करने वाले अभ्यार्थियों को किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास होना चाहिए. इसके साथ ही हिन्दी टाइपिंग में 25 शब्द प्रति मिनट और इंग्लिश टाइपिंग में 30 शब्द प्रति मिनट टाइपिंग स्पीड होना आवश्यक है. आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की न्यूनतम उम्र 18 साल और अधिकतम आयु 40 वर्ष है. उम्मीदवारों की आयु की गणना 1 जुलाई 2024 के आधार पर की जाएगी. आवेदन करने से पहले अभ्यार्थी आयोग की अधिकारिक वेबसाइट पर अपने शैक्षणिक योग्यता और उम्र अवश्य चेक कर लें. अभ्यार्थियों को लेवल–3 ग्रेट पे के मुताबिक वेतन दिया जाएगा. इसके तहत चयनित उम्मीदवारों को हर महीने 69100 रुपये वेतन मिलेगा. ज्यादा जानकारी के आयोग की वेबसाइट पर जा सकते हैं.

संभल न्यूज उत्तर प्रदेश के संभल जिले में 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद का सर्वेक्षण के दौरान हुए बवाल के बाद पत्थरबाजों और उपद्रवियों की तलाश जोरों पर हो रही है। इसके साथ ही हिंसा करने वालों पर यूपी सरकार सख्ती बरतेगी। पत्थरबाजों और उपद्रवियों के पोस्टर सार्वजनिक रूप से लगाए जा सकते हैं। इसके साथ ही नुकसान की उपद्रवियों से वसूली की जा सकती है। जरूरी हुआ तो उपद्रवियों पर इनाम भी घोषित हो सकता है। संभल हिंसा के गुनहगार किसी भी सूरत में बच नहीं पाएंगे। बता दें कि यूपी की योगी सरकार पहले ही उपद्रव करने वालों के खिलाफ नुकसान की वसूली और पोस्टर का अध्यादेश जारी कर चुकी है। मीडिया में भी जारी किए जाएंगे फोटो कमिश्नर ने बताया कि सर्वे से एक दिन पहले जिला प्रशासन ने जामा मस्जिद कमेटी को नोटिस दिया था। जब सर्वे टीम पहुंची तो संभल विधायक इकबाल महमूद का बेटा सुहेल इकबाल भी जामा मस्जिद पहुंच गया। उसने सर्वे टीम के साथ शामिल होने की बात कही। टीम ने उसे साथ शामिल करने से मना कर दिया। इसके बाद ही भीड़ जुटी और बवाल हुआ। उपद्रव में शामिल लोगों के फोटो शीघ्र ही मीडिया में भी जारी किए जाएंगे, जिससे उन्हें पकड़ने में आसानी होगी। पुलिस ने पथराव करने वाले सैकड़ों आरोपियों को चिह्नित कर लिया है और गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ दबिश दी जा रही है। संभल शहर के अलावा आसपास के कस्बों और गांवों में भी बवालियों को ढूंढा जा रहा है। दर्जनों लोगों को पुलिस ने हिरासत में भी लिया

है। उनसे अलग–अलग थानों में पूछताछ करके अन्य आरोपियों के बारे में जानक.ारी जुटाई जा रही है।बरेली जोन के एडीजी रमित शर्मा और डीआईजी मुनि.राज जी ने मंगलवार सुबह पुलिस फोर्स के साथ शहर में पैदल मार्च किया। इस दौरान उन्होंने व्यापारियों से बातचीत की और कहा कि दुकानें खोलें और व्यापार करें। हालांकि, शहर के अधिकांश बा.जारों में दुकानें खुलने के बावजूद सन्नाटा पसरा रहा। शहर की जामा मस्जिद के आसपास की दुकानें नहीं खुलीं। बवाल के बाद से भागे सैकड़ों लोगों के घरों पर अब भी ताले लटके हैं। पूरा इलाका पुलिस छावनी बना है।संभल में मस्जिद पर सर्वे के दौरान हुई हिंसा के तीन दिन बाद बुधवार को जनजीवन सामान्य होने लगा है। स्कूल खुल गए हैं और जरूरी सामान बेचने वाली कई दुकानें भी खुल गई हैं, हालांकि जिले में इंटरनेट सेवाएं अभी भी निलंबित हैं। प्रशासन ने हिंसा के बाद संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा कड़ी है। पुलिस ने मुख्य चौराहों पर बल तैनात किया है और रैपिड एक्शन फोर्स को भी तैनात किया गया है। हिंसा में पांच ला.`गों की मौत हुई थी। 30 नवंबर तक बाहरी लोगों और जनप्रतिनिधियों के जिले में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। पुलिस ने हिंसा के मामले में अब तक 27 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक 11 एफआ.ईआर दर्ज की हैं। इसमें सात एफआ.ईआर पुलिस ने दर्ज कराई हैं, जबकि चार मृतकों के परिजनों ने कराई हैं। पुलिस ने समाजवादी पार्टी के सांसद जिया–उर–रहमान बर्क, विधायक इकबाल महमूद के बेटे सोहैल इकबाल समेत 2,750 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस ड्रोन फुटेज और सीसीटीवी रिकॉर्डिंग की जांच कर रही है। दोनों समुदायों के प्रमुख लोगों ने शांति बनाए रखने और सांप्रदायिक सौ.हार्द को फिर से मजबूत करने की अपील की है। स्थानीय व्यापारियों और समाजसेवियों ने भी सहयोग की बात कही है। संभल में शांति बहाली के लिए सभी पक्ष एकजुट होकर काम कर रहे हैं। जिला प्रशासन ने हिंसा की मजिस्ट्रेट जांच शुरू कर दी है। संभल के डीएम और एसपी ने सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। डीएम राजेंद्र पेंसिया ने कहा कि सर्वे अदालत के आदेश पर कराया गया था और ऐसे मामलों में कानून का पालन आवश्यक हैसंभल के मौजूदा हालात पर एसपी कृष्ण कुमार ने बताया कि संभल जिले में रविवार को हुई घटना के बाद पुलिस ने एहतियातन इंटरनेट बंद करने का आदेश दिया था, जो अब भी जारी है। बाकी सभी चीजें सामान्य हो गई हैं। पुलिस ने घटना में शामिल लोगों की सभी ब्ज्ट फुटेज खंगाली है। 100 से अधिक लोगों की पहचान की गई है। जल्द ही पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर लेगी। पिछले 24 घंटे में 27 लोगों को जेल भेजा है, जिनमें 25 पुरुष और 2 महिलाएं हैं। संभल के सांसद जिया–उर–रहमान बर्क को 23 नवंबर को बीएनएस की धारा–168 के तहत नोटिस जारी किया गया है। एडीजी बोले– जिनके हाथ में पत्थर, उन्हें नहीं छोड़ा जाएगा इससे पहले, एडीजी रमित शर्मा ने मंगलवार को लोकनिर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में उमला और जिम्मेदार ला.`गों के साथ शांति समिति की बैठक की। उन्होंने कहा कि निर्दोष लोगों को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। लेकिन जिनके हाथ में पत्थर दिख रहे हैं, उन्हें नहीं छोड़ा जाएगा। रविवार को बवाल के बाद हालात तो काबू में हो गए हैं, लेकिन बवाल का भय लोगों के मन से अभी तक नहीं निकला है। मंगलवार को एडीजी बरेली रमित शर्मा संभल पहुंचे और अमन कमेटी की बैठक की। एडीजी ने उलमा को आश्वस्त किया गया है कि निर्दोष कोई गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। जिसके हाथ में पत्थर है उसको छोड़ा नहीं जाएगा। उलमा ने भरोसा दिलाया है कि वह अमन का पैगाम शहर में पहुंचाएंगे और शहर में जनजीवन सामान्य कराए जाने के लिए पूरा सहयोग करेंगे। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई के अलावा शहर के उलमा और जिम्मेदार लोग शामिल हुए। एसपी ने बताया कि एडीजी ने बताया कि उलमा से अपील की गई है कि वह अपने–अपने क्षेत्र में लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करें। जिससे शहर सामान्य दिनों की रफ्तार पर आगे बढ़ सके। कहा कि जिन व्यापारियों ने दुकान नहीं खोली हैं, उनसे संपर्क कर दुकानों को खुलवाया जाएगा।

भारत–नेपाल सीमा से दो चीनी नागरिक गिरफ्तार, अवैध रूप से भारत में हुए थे दाखिल

सिद्धार्थनगर जिले के भारत–नेपाल सीमा के ककरहवा बॉर्डर से बिना वैध काग.जात के भारत से नेपाल में घुसे दो चीनी नागरिक को नेपाली पुलिस व सशस्त्र बल ने गिरफ्तार किया है. चेकिंग के दौरान चीनी नागरिक 32 वर्षीय लिगोआँगूई और 35 वर्षीय एक्सटीएओ को नेपाली पुलिस ने भारत से नेपाल सीमा में प्रवेश करते हुए पकड़ा है. उनके पास से चीनी पासपोर्ट, दो लैपटॉप, विभिन्न कंपनियों के छह मोबाइल और 14750 रुपए भारतीय मुद्रा बरामद हुआ. नेपाल जिले के कपिलवस्तु के वार्ड नंबर 5 शुद्धोधन गांव के पास नेपाल पुलिस और वहां की सशस्त्र बल ने इन चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया. जानकारी के मुताबिकि, सिद्धार्थनगर जिले के ककरहवा निवासी 23 वर्षीय अरबाज शेख ने उन्हें भारत से नेपाल ले जाने में मदद कर रहा था. चीनी नागरिकों के साथ अरबाज शेख को नेपाल पुलिस ने हिरासत में लिया. पुलिस आगे की जांच के लिए उन व्यक्तियों को बरामद सामान के साथ घटना की जानकारी आप्रवासन कार्यालय बेलहिया रूपनदेही को भेज दी गई है. उक्त की जानकारी प्रवक्ताध्सूचना अधिकारी (मोहन मणि

अधिकारी) पुलिस उपाधीक्षक जिला पुलिस कार्यालय ने दी है.जैश–ए–मो.हम्मद के दो आतंकियों को सजा इधर, लखनऊ की स्पेशल एटीएस कोर्ट ने जम्मू कश्मीर के रहने वाले जैश–ए–मोहम्मद के दो आतंकवादी शहनवाज अहमद तेली और आकिब अहमद मलिक को सात–सात साल की सजा और 30 हजार जुर्माना लगाया है. एटीएस ने दोनों आतंकवादियों को साल 2019 में गिरफ्तार किया था. इनके पास पिस्टल और हैंड ग्रेनेड बरामद किया था. जैश ए मोहम्मद से जोड़कर नौजवानों को आतंकवादी बनाने की नेक्सस में एटीएस ने गिरफ्तार किया था. एटीएस कोर्ट ने इन्हें 26 नवंबर 2024 को सजा सुनाई है. एटीएस के मुताबिक, ये लोग नवयवुकों को रेडिक्लाइज (उकसा) कर भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने और जैश–ए–मोहम्मद संगठन से जोड़ने का प्रयास कर रहे थे.

लड्डू गोपाल हुए चोरी, अगले दिन मंदिर . खुला तो अपने स्थान पर रखी मिली मूर्ति

कासगंज के शिव मंदिर से लड्डू गोपाल की मूर्ति चोरी हो गई। इसे लेकर लोगों में आक्रोश फैल गया, लेकिन अगले दिन मंदिर जब खुला तो मूर्ति अपने स्थान पर रखी मिली। पुलिस ने सीसीटीवी खंगाले तो उसमें जो कुछ दिखाई दिया, सभी हैरान रह गए। कासगंज कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला बरी में शिव मंदिर से रविवार की रात में लड्डूगोपाल की मूर्ति चोरी हो गई। सीसीटीवी में दो महिलाएं इस मूर्ति को ले जाती हुई दिखाई दीं। मंगलवार की सुबह पुजारी ने मंदिर खोला तो मूर्ति अपनी जगह पर रखी दिखाई दीं। सीसीटीवी से पता चला कि रात को इस मूर्ति को दो पुरुष वापस मंदिर में रख गए हैं।25 किलो पीतल की है लड्डूगोपाल की मूर्ति गांव नगला बरी में प्राचीन शिव मंदिर है। इस मंदिर में करीब 25 किलो वजन की पीतल की लड्डूगोपाल की मूर्ति रखी हुई थी। सा.`मवार की सुबह जब पुजारी भीका सिंह ने मंदिर खोला तो मूर्ति अपनी जगह से गायब थी। इससे ग्रामीणों में रोष फैल गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आ.सपास छानबीन की तो एक सीसीटीवी में दो महिलाएं लड्डूगोपाल की मूर्ति को ले जाती हुई दिखाई दीं। पुलिस ने इसके आधार पर छानबीन शुरू कर दी लेकिन कोई भी ग्रामीण उन महिलाओं को नहीं पहचान सका।मंगलवार की सुबह जब पुजारी ने मंदिर के पट खोले तो मूर्ति अपनी जगह रखी हुई थी। जानकारी मिलते ही पूरा गांव मंदिर पर पहुंच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फिर से सीसीटीवी की जांच की तो पता चला कि बाइक सवार दो युवक मंदिर पर आकर मूर्ति को वापस मंदिर में रख गए हैं। मूर्ति के इस तरह महिलाओं द्वारा चोरी करने और फिर अगली ही रात दो पुरुषों द्वारा वापस मंदिर में मूर्ति रखे जाने की चर्चा पूरे दिन गांव में होती रही। ग्रामीण मूर्ति के वापस मंदिर में आने पर खुश दिखाई दिए।

कन्नौज में आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस वे पर भीषण सड़क हादसा

5 डॉक्टर्सों की मौत, सैफई PGI में थे तैनात

कन्नौज में आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस वे पर एक बड़ा हादसा हो गया, जहां एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर को तोड़ते हुए सामने से आ रहे ट्रक से टकरा कर गई, टक्कर इतनी तेज थी कि कार पलट गई. इस हादसे में 4 डॉक्टरों समेत पांच की मौत हो गई. ये चारों डॉक्टर सैफई के मिनी पीजीआई अस्पताल में तैनात थे और लखनऊ में एक शादी समारोह से वापस लौट रहे थे. तभी रास्ते में इस हादसे के शिकार हो गए जानकारी के मुताबिक ये हादसा बुधवार तड़के चार बजे के आ. सपास हुआ, ये सभी कार में सवार होकर लखनऊ से लौट रहे थे, तभी कन्नौज जिले की तिर्वा कोतवाली के पास आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे के चौनल नंबर 196.200 के पास उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई. हादसे के वक्त कार में 6 लोग सवार थे. टक्कर इतनी तेज थी कि पांचों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य डॉक्टर गंभीर रूप से घायल हो गया है. उसे इलाज के लिए सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है. हादसे में चार डॉक्टर समेत पांच की मौतइस हादसे में डॉ. अनिरुद्ध वर्मा, डॉ. संतोष कुमार मौर्य, डॉ अरुण कुमार, डॉ. नरदेव की मौत हो गई, जबकि एक अन्य की पहचान नहीं हो पाई है. हादसे में घायल डॉ. जयवीर सिंह को सैफई मेडिकल रेफर कर दिया गया है. कन्नौज जिले डॉ भीम राव अंबेडकर मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डॉ सी पी पाल ने बताया कि आज तड़के 5 लोगों को अस्पताल लाया गया था, जिन्हें मृत घोषित कर दिया गया. इनमें से 4 लोगों के पास से उनके आई डी कार्ड मिले है, ये सभी डॉक्टर हैं. मृतकों की शिनाख्त कर परिजनों को सूचना दे दी गई है. एक डॉक्टर कन्नौज का ही रहने वाला था. सीएम योगी ने जताया दुखमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस हादसे को संज्ञान में लिया है. सीएम योगी ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना की व्यक्त की और अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश दिए. मुख्यमंत्री ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं. इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है.

वफादार कुत्ता बन गया जान का दुश्मन, एक दो नहीं 18 लोगों को काटा

मथुरा के बरसाना में एकादशी पर श्रीराधारानी के दर्शन करने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान कस्बे में एक पागल कुत्ते ने उत्पात मचाया। कुत्ते के काटने से तीन दर्जन से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। वहीं कुत्ते के काटने की सूचना सोशल मीडिया पर वायरल होती ही चेयरमैन प्रतिनिधि ने उसे पकड़ने के लिए नगर पंचायत की टीम भेजी। टीम ने कुत्ते को पकड़ लिया। मंगलवार को एकादशी पर भीड़ वाले इलाके मुख्य बाजार, सुदामा चौक, रोपवे क्षेत्र में एक पागल कुत्ते ने विभिन्न प्रांतों आए श्रद्धालुओं व स्थानीय लोगों को काटकर घायल करना शुरू कर दिया। सूचना सोशल मीडिया पर फैल गई। नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि पदम फौजी ने सफाई कर्मियों को कुत्ते को पकड़ने के लिए भेजा। टीम जब तक कुत्ते को पकड़ती उसने बिहार निवासी आकेश व प्रमोद, कस्बा निवासी अंजलि, नरेश व सरोज, चिकसौली निवासी कृष्ण, कमई निवासी दीपांश, खायरा निवासी धनीराम, आगरा निवासी मुरारी, हाथरस निवासी राम प्रसाद व स्थानीय निवासी संजय, पंकज, ओमप्रकाश, गिर्राज, सरोज, रूपसिंह, किशन व लाल चंद आदि को काट लिया। सभी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, यहां मरहम पट्टी कर रैबीज का इंजेक्शन लगाया गया। बाद में पंचायतकर्मियों ने कुत्ते को पकड़ लिया, तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली।

भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री की दबंगई, होटल मालिक को इस कदर पीटा.कर दिया लहूलुहान

मथुरा कोतवाली की धौली प्याऊ क्षेत्र में रविवार रात को भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री ने अपने साथियों के साथ होटल में घुसकर मालिक की पिटाई लगा दी। हमलावरों ने उसकी इतनी पिटाई लगाई कि वह लहूलुहान हो गए। पुलिस को देख हमलावर भाग खड़े हुए। पुलिस ने होटल स्वामी की तहरीर पर भाजपा नेता समेत उसके साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। हालांकि तीन दिन बाद भी किसी की गिरफ्तारी नहीं की है।बुलंदशहर के थाना सिकंदराबाद स्थित भिवानीपीर निवासी अंकुश पायल के अनुसार वह पिछले 4 साल से धौली प्याऊ क्षेत्र में एसआर रेजीरेंसी के नाम से होटल चलाते हैं। रविवार की रात 11 बजे धौली प्याऊ निवासी नितिन कौशिक, युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री पवन हिंडोल, अभय रावत, गोपाल रावत अपने 7–8 साथियों ने मिलकर उन्हें लात–घूंसों से मारा और पिस्टल की बट से उनके सिर में कई प्रहार किए। वह जान बचाने के लिए होटल के अंदर घुसे तो हमलावर वहां भी आ गए और लोहे की रॉड से उनके तथा मौसी के बेटे निशांत राजौर के सिर पर प्रहार किया। हमलावर होटल की इंटरकोम मशीन भी उठाकर ले गए। होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे समेत अन्य सामान में तोड़ दिए। कार्यवाहक कोतवाली प्रभारी सुनील कुमार जोशी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। गिरफ्तारी के लिए संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी हो जाएगी। युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष यज्ञदत्त कौशिक ने बताया कि मारपीट में युवा मोर्चा के पदाधिकारी पवन हिंडोल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। सीसीटीवी में वह मारपीट करते भी दिखाई दे रहे हैं, लेकिन मारपीट का दूसरा पहलू भी है। होटल स्वामी के यहां होने वाले गलत काम के कारण गली का माहौल खराब हो रहा था। इसकी शिकायत उन्होंने पवन हिंडोल से की, वह समझाने गए तो वह गाली–गलौज करने लगा। इसी को लेकर मारपीट हुई।

अखिलेश यादव पर मुकदमा दर्ज हो. संभल हिंसा को लेकर बोले आचार्य प्रमोद कृष्णम

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने वहां मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि जिस तरह से हिंदू मंदिरों को तोड़कर विध्वंस किया हम उसके खिलाफ सनातन एक करने के लिए काम कर रहे है.यहां श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के लिए हो रही संतों की धर्म संसद में भाग लेने आया हूं. संभल में हुए दंगे को लेकर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने बड़ा बयान दिया है.आचार्य प्रमोद ने कहा कि सम्भल में हमको विश्वास है कि यूपी के मुख्यमंत्री और प्रशासन शांति बहाल करने में कामयाब होंगे. सम्भल दंगे को भड़काने के लिए सपा नेताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो. सम्भल में कोर्ट के आदेश पर जामा मस्जिद के सर्वे के आदेश का लोगों को सम्मान करना चाहिए था. उन्होंने यह भी कहा कि संभल में दंगा भड़काने के लिए सपा के मुखिया अखिलेश यादव पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की.मस्जिद के सर्वे के दौरान स्थिति बिगड़ गईसंभल जिले स्थित शाही जामा मस्जिद के रविवार को सर्वे के दौरान भारी बवाल हो गया. इस दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिस पर पथराव किया और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा. जानकारी के अनुसार, जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान स्थिति बिगड़ गई और हिंसा फैल गई.क्या बोले थे अखिलेश यादव सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि संभल दंगा जानबूझकर कराया गया और पुलिस की गोली से लोगों की मौत हुई. अखिलेश ने इस दंगे को चुनावी धांधली से ध्यान भटकाने की साजिश बताया. अखिलेश यादव ने कहा कि जब पहली बार सर्वे हुआ तो पूरा का पूरा सहयोग किया गया. साबरमती फिल्म देखकर उन्हें लगा कि उन्हें भी कुछ बड़ा करेंगे इसलिए ये सब कराया गया. चुनावी धांधली से ध्यान हटाने के लिए ये किया गया है. पुलिस ने बैरिकेडिंग लगा दिया ताकि लोग नमाज न पढ़ सकें.

महिला की फेसबुक पर हुई दोस्ती, प्रेमी ने कर दी पति की हत्या, पत्नी गिरफ्तार

बिहार के आरा में गोलगप्पा विक्रेता की हत्या का खुलासा भोजपुर की पुलिस ने मंगलवार को कर दिया. जिले के तीयर थाना क्षेत्र के गंगाजल डिहरी गांव निवासी श्यामबाबू साह की हत्या प्रेम प्रसंग में हुई थी. इस मामले में पुलिस ने हत्या की साजिश में पत्नी शोभा देवी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. हालांकि महिला का प्रेमी मुन्ना यादव की तलाश जारी है.बता दें कि श्यामबाबू साह रोज की तरह 19 नवंबर की सुबह भी ठेला लेकर गोलगप्पा बेचने कटाईबोझ गांव गया था. देर शाम वह घर लौट रहा था. उसी दौरान कटाइबोझ नहर के पास उसकी धारदार हथिया से हत्या कर दी गई थी. कातिलों ने उसकी गर्दन और सिर के पिछले हिस्से पर किसी धारदार हथियार से वार किया था. इससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई थी.जांच में जुटी पुलिसथानाध्यक्ष के अनुसार जांच में यह बात आ रही है कि श्यामबाबू साह की पत्नी व गंगाधरडिहरी गांव निवासी आरोपित मुन्ना यादव के बीच एक साल से प्रेम–प्रसंग चल रहा था. दोनों के बीच फेसबुक मैसेंजर से दोस्ती हुई थी. श्यामबाबू साह पहले पत्नी को लेकर दिल्ली रहता था. वहां पर भी वाद–विवाद हुआ था. पति श्याम बाबू हमेशा अवैध संबंध का विरोध करता था. इसे लेकर मारपीट भी हुई थी. पत्नी पूर्व में दिल्ली रहती थी, जबकि प्रेमी रा. जस्थान में रहता था. मृतक के पिता ने दर्ज करवाई थी प्राथमिक इस घटना में श्यामबाबू साह के पिता गुप्तेश्वर साह के बयान पर दो नामजद सहित अन्य लोगों पर नामजद एफआईआर दर्ज कराई गई थी. तकनीकी और वैज्ञानिक जांच के सहारे कांड के खुलासे में पुलिस को सफलता मिली. हत्या के बाद पुलिस तकनीकी जांच से साक्ष्य जुटाने के प्रयास में लगी थी. घटना के दूसरे दिन हत्या का सुराग पाने के लिए डॉग स्क्वायड टीम को भी बुलाया गया था. खोजी कुत्ता ने घटनास्थल पर गमछा को सूंघने के बाद कटाई बोझ स्थित एक दुकान पर जाकर रुक गया था. पुलिस की तकनीकी टीम ने बुधवार को घटनास्थल व गुमटी के पास दोनों जगहों का टावर डंप भी लिया था. इसके अलावा मोबाइल का सीडीआर भी निक. ालकर जांच कर रही है.

इस्कॉन को क्यों किया जा रहा टारगेट, बांग्लादेश में कुल कितने मंदिर, क्यों खिलाफ हैं कट्टरपंथी

भारत के पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में इन दिनों हिंदुओं पर लगातार अत्याचार किया जा रहा है. इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस के प्रमुख चिन्मय कृष्ण दास को भी गिरफ्तार कर लिया गया. इसके बाद अब वहां ैज्ञब्छ पर बैन लगाने की मांग तेज हो गई है. आज से 4 महीने पहले 5 अगस्त, 2024 को तख्ता पलट के बाद से देश के हालात बिगड़ते जा रहे है. ऐसा तब हुआ, जब प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार गिर गई और वो वहां से भागकर भारत में रहने लगी. यहीं नहीं बात सिर्फ इस्कॉन मंदिर पर हमला करने की नहीं है. वहां मौजूद अन्य मंदिरों को कट्टरपंथी इस्लामी समूहों की तरफ से निशाना बनाया जा रहा है. रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश में इस वक्त 40000 मंदिर हैं. बता दें कि हसीना सरकार के पतन और राजनीतिक अस्थिरता के बीच, कट्टरपंथी इस्लामी समूहों ने इस्कॉन को निशाना बनाया है. इसके खिलाफ जैसे ऑनलाइन अभियान चलाए जा रहे हैं, और इसे देश की सुरक्षा और सांप्रदायिक स्थिरता के लिए खतरा बताया जा रहा है. इससे पहले हसीना के जाने के तुरंत बाद, खुलना डिवीजन के मेहरपुर में एक इस्कॉन मंदिर को तोड़ा गया और उसमें आग लगा दी गई थी.कट्टरपंथी इस्लामी गुटों को खुश करने की कोशिश बांग्लादेश में नई यूनुस सरकार पर कट्टरपंथी इस्लामी गुटों को खुश करने और इस्कॉन पर हमला करने की अनुमति देने का आरोप है. बांग्लादेश के कट्टरपंथी संगठन हिफाजत–ए–इस्लाम ने जुमे की नमाज के बाद इस्कॉन के खिलाफ रैली निकाली, जिसमें प्रदर्शनक. ारियों ने इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए इसके समर्थकों के खिलाफ हिंसक नारे लगाए. इतना ही नहीं उन्होंने सोशल मीडिया पर रुठंदैप्ज्ञब्छ और रुप्ज्ञब्छपेज्मततवतपेज जैसे हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं. इसके अलावा इस्कॉन पर हिंसा भड़काने और शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग से जुड़े होने का आरोप लगाया जा रहा है. अवामी लीग का विरोध करने वाले इस्लामी समूहों ने इस्कॉन को अवामी लीग का समर्थक बताकर निशाना बनाया. सामुदायिक तनाव बांग्लादेश सनातन जागरण मंच और इस्कॉन के सदस्यों ने हिंदुओं पर हो रहे हमलों के खिलाफ रैलियां आयोजित कीं.। बता दें कि इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने से हिंदू समुदाय में असुरक्षा बढ़ेगी और उनकी पहचान पर खतरा गहराएगा. बांग्लादेश में इस्कॉन का अच्छा खासा नेटवर्क हैं. बांग्लादेश में इस्कॉन के मंदिर ढाका, मेमनसिंह, राजशाही, रंगपुर, खुलना, बा. रिसाल, चटोग्राम और सिलहट में मौजूद हैं. यहां मंदिर का मानने और पूजने वालों की संख्या काफी है. इसकी संपत्ति भी काफी ज्यादा है. ये आए दिन बांग्लादेश में गरीबों की मदद करता है. बीते महीने बांग्लादेश में आई बाढ़ में भी इस्कॉन मंदिर के लोगों ने काफी मदद की थी.

आरक्षण के लिए हिंदू छात्रों ने किया प्रदर्शन, पुलिस से नोकझोंक, धक्का-मुक्की कर एएमयू सर्किल पर पहुंचे

अलीगढ़ (जननायक सम्राट) डीएस कॉलेज, एसवी कॉलेज, जिले के विभिन्न गांवों से छात्र और युवा तस्वीर महल स्थित राजा महेंद्र प्रताप पार्क में एकत्र हुए। यहां से करीब 500 छात्रों ने जुलूस के रूप में यूनिवर्सिटी सर्किल की तरफ कूच शुरू किया तो पुलिस ने इन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन ये पुलिस को पीछे हटा पैदल मार्च करते आगे बढ़ते गए।अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) में आरक्षण का मुद्दा तूल पकड़ता जा रहा है। एससी–एसटी व ओबीसी वर्ग के विद्यार्थियों को आरक्षण देने की मांग करते हुए 26 नवंबर को हिंदू छात्रों ने एएमयू सर्किल के लिए कूच किया। इस दौरान पुलिस ने इन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन ये धक्का–मुक्की करते हुए आगे बढ़ गए। पुलिस अधिकारियों से नोकझोंक भी हुई। एएमयू सर्किल पर पहुंचकर इन्होंने दो घंटे तक नारेबाजी और प्रदर्शन किया26 नवंबर सुबह एएमयू आरक्षण संघर्ष मोर्चा के बैनर तले डीएस कॉलेज, एसवी कॉलेज, जिले के विभिन्न गांवों से छात्र और युवा तस्वीर महल स्थित राजा महेंद्र प्रताप पार्क में एकत्र हुए। यहां से करीब 500 छात्रों ने जुलूस के रूप में यूनिवर्सिटी सर्किल की तरफ

कूच शुरू किया तो पुलिस ने इन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन ये पुलिस को पीछे हटा पैदल मार्च करते आगे बढ़ते गए। रास्ते में भी पुलिस ने इनका ज्ञापन लेकर इन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन यह सर्किल पर पहुंचकर प्रदर्शन करने पर अड़े रहे। ये लोग हिंदू आरक्षण लेकर रहेंगे, लेकर रहेंगे, हिंदू आरक्षण का उदय होगा.. जैसे नारे लगा रहे थे। सर्किल पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। इस प्रदर्शन पर एएमयू प्रशासन भी नजर बनाए रहा।करीब दो घंटे तक प्रदर्शन चला। छात्र नेता अमित गोस्वामी, बल्देव चौधरी सीटू ने कहा कि अब देश का विभाजन नहीं होने देंगे। हर परिस्थिति में आरक्षण लेकर रहेंगे। छात्र नेता अर्जुन सिंह भोलू, जय यादव ने कहा कि एएमयू में 1906 से जारी मुस्लिम लीग का एजेंडा नहीं चलने दिया जाएगा। डॉ. भीमराव आंबेडकर का संविधान भी एएमयू में लागू नहीं है।दो घंटे तक प्रदर्शन के बाद छात्रों ने एसीएम संजय मिश्रा को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन शांतिपूर्ण निपटने के बाद जिला प्रशासन ने भी राहत की सांस ली। ज्ञापन देने वालों में छात्र नेता संजू बजाज कोरी, हर्षद हिंदू, रामअवतार शर्मा, नानक राजपूत, अनुज ठाकुर, सागर मौर्य, दिनेश अग्रवाल आदि शामिल रहे।हिंदू छात्रों पर मुकदमा दर्ज कराने की मांगएएमयू के छात्र आकिब खुर्शीद ने कहा कि सर्किल पर हिंदू छात्रों ने यूनिवर्सिटी को लेकर जो बातें की हैं उन पर मुकदमा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने यूनिवर्सिटी को मिनी इंडिया कहा था, लेकिन हिंदू छात्रों ने यूनिवर्सिटी के लिए अमर्यादित भाषा को इस्तेमाल किया है। कुछ दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने अल्पसंख्यक दर्जे पर फैसला सुनाया है। अखिल भारत हिंदू महासभा ने यूनिवर्सिटी में आरक्षण की मांग की मुहिम का समर्थन किया है। हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अशोक कुमार पांडेय व हिंदू महासभा की राष्ट्रीय शिक्षा महामंडलेश्वर डॉ. अन्नपूर्णा भारती पुरी ने आंदोलन का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय राजा महेंद्र प्रताप की जमीन पर बना हुआ है। यह केंद्र के बजट से संचालित है। एससी–एसटी व ओबीसी विद्यार्थियों को आरक्षण मिलना चाहिए। संविधान दिवस पर एक विश्वविद्यालय में संविधान की अवहेलना होना निश्चित रूप से बहुत ही शर्मनाक है।अनुदान रोकने के लिए शिक्षामंत्री से मिलेगा प्रतिनिधिमंडल

एएमयू हिंदू छात्र आरक्षण मोर्चा की ओर से मंगलवार को डीएस कॉलेज में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। कौशल दिवाकर व जितेंद्र बघेल ने कहा कि हिंदू छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल शिक्षा मंत्री से मिलकर यूनिवर्सिटी को मिलने वाले अनुदान को रोकने का अनुरोध करेगा। उन्होंने कहा कि एएमयू में एससी–एसटी और ओबीसी विद्यार्थियों का आरक्षण न मिलना दुर्भाग्य की बात है। मोर्चा के सौरभ चौधरी, पंकज दिवाकर, दीपक शर्मा आजाद, लोकेश नागर आदि मौजूद रहे।

शादी समारोह में जा रही बस की ट्रैक्टर-ट्रॉली से टक्कर, एक दर्जन बराती घायल

अतरौली रोड स्थित मंडी समिति के निकट मंडी में धान बेचने आ रहे ट्रैक्टर–ट्रॉली से बस की टक्कर हो गई। तेज आवाज पर पहुंचे गल्ला आढ़तियों एवं आस–पास के लोगों ने छर्रा कोतवाली पुलिस को सूचना दी। कस्बा छर्रा में अतरौली रोड़ स्थित मंडी समिति के निकट शादी समारोह में शामिल होने जा रही बस और ट्रैक्टर–ट्रॉली की भिडंत हो गई। जिसमें लगभग एक दर्जन बराती घायल हो गए। सूचना पर क्षेत्राधिकारी छर्रा एवं छर्रा कोतवाली पुलिस ने घायलों को बस से निकाल उपचार के लिए सीएचसी भेजा। जहां डॉक्टरों ने चार को गंभीर अवस्था में जिला मुख्यालय रेफर कर दिया।बुलंदशहर जनपद के थाना जहांगीराबाद के गांव धामनी निवासी सीताराम के पुत्र रिषीपाल की शादी थाना अकराबाद के गांव बमनोई से हुई थी। मंगलवार की रात्रि को बस धामनी से बमनोई जा रही थी कि रात लगभग दस बजे छर्रा के अतरौली रोड स्थित मंडी समिति के निकट मंडी में धान बेचने आ रहे ट्रैक्टर–ट्रॉली से टक्कर हो गई। तेज आवाज पर पहुंचे गल्ला आढ़तियों एवं आस–पास के लो. गों ने छर्रा कोतवाली पुलिस को सूचना दी। सूचना पर क्षेत्राधिकारी छर्रा महेश कुमार एवं कोतवाली निरीक्षक राजेश कुमार मय फोर्स घटनास्थल पहुंचे। जहां पुलिस ने बस से चालक सत्यदेव पुत्र राजवीर शर्मा निवासी खगुडा शिक. ारपुर, प्रदीप पुत्र धर्मवीर, ललित पुत्र सत्यपाल, चरन सिंह पुत्र कमल सिंह, सोहनलाल पुत्र श्यामवीर, जितेन्द्र पुत्र भीमसैन निवासीगण धामनी, रोबिन पुत्र राजकुमार, अर्जुन पुत्र करन सिंह निवासीगण जहांगीराबाद, जय सिंह पुत्र प्यारेलाल निवासी पोंडरा सिकन्द्रारा राऊ जनपद हाथरस आदि बरातियों को घायल हालत में बस से निकाल एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। जहां से डॉक्टरों ने चरन सिंह, ललित, सत्यदेव, प्रदीप की हालत गंभीर देखते हुए अलीगढ़ रेफर कर दिया। क्षेत्राधिकारी छर्रा महेश कुमार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर घायलों का हाल जाना है।

मा0 सुप्रीम कोर्ट ने चुनावों के दौरान बैलेट पेपर से मतदान कराने की मांग वाली याचिका खारिज की

अलीगढ़ 27 नवम्बर 2024 (सू0वि0)रू मा0 सुप्रीम कोर्ट ने चुनावों में पेपर बैलेट वोटिंग प्रणाली को फिर से लागू करने वाली जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए खारिज कर दिया। मा0 सर्वोच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता के इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से छेड़–छाड़ के दावों को खारिज कर दिया। याचिका खारिज करते हुए पीठ ने टिप्पणी करते हुये कहा कि यदि कोई एक पक्ष चुनाव जीत जाता है तो ईवीएम से छेड़छाड़ नहीं की, माना जाता है और जब वही पक्ष चुनाव हार जाता है तो ईवीएम से छेड़–छाड़ की है, कहा जाता है। अदालत ने यह भी कहा है कि वह काल्पनिक दावों पर विचार नहीं कर सकती है। मा0 सर्वोच्च न्यायालय ने सुनवाई शुरू करते ही स्पष्ट कर दिया कि दायर याचिका विचार करने योग्य नहीं है। हालांकि याचिकाकर्ता डॉ. के0ए0 पॉल ने व्यक्तिगत रूप से उप. स्थित होकर याचिका के पक्ष में कई तर्क दिए परन्तु मा0 न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और पी.बी. वार्ले को याचिकाकर्ता के तर्कों से सहमत नहीं हुए, जिससे मा0 सुप्रीम कोर्ट ने जनहित याचिका को सिरे से खारिज कर दिया।

कबड्डी में पिलखुनिया व खो-खो में सहारा की टीम बनीं विजेता

एलबीके सीनियर सेकेंडरी स्कूल के खेल मैदान पर मंगलवार को बेसिक शिक्षा विभाग की ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता हुई। कबड्डी जूनियर वर्ग में पिलखुनिया की टीम और खो–खो में सहारा की टीम विजेता रहीं।प्राथमिक स्तरीय 50 मीटर दौड़ में उमेश, अंजली, 100 मीटर दौड़ में आदित्य व सृष्टि, 200 मीटर दौड़ में लव व खुशबू, 400 मीटर दौड़ में करन व वंदना, कबड्डी में महुआ व कजरौठ, खो–खो में मुहरैनी व सहारा कलां, लंबी कूद में गौरव विजेता बने।जूनियर स्तरीय 100 मीटर दौड़ में जगन्नाथ व दिया, 200 मीटर दौड़ में हेमंत व संगीता, 400 मीटर दौड़ में कृष्णा व प्रीति, 600 मीटर दौड़ में शिवम एवं शिवानी, लंबी कूद में जतिन व साक्षी, ऊंची कूद में हिमांशु व साक्षी, गोला फेंक में अमित कुमार व कुंती, तश्तरी फेंक में अमर सिंह व रानी, कबड्डी बालक व बालिका में पिलखुनिया, खो–खो में सहारा, योग में नौगवां व सा. थनी, अंताक्षरी में खेड़िया पाताल और एकांकी में कारेका की टीम विजेता रही।प्रतियोगिताओं का शुभारंभ विधायक राजकुमार सहयोगी, खंड शिक्षाधिकारी एलवी द्विवेदी, प्रबंधक हरीमोहन अग्रवाल, शिक्षक नेता राजेश कटारा, पूरन चंद्र शर्मा व डॉ. रामकुमार सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

सीडीओ की अध्यक्षता में विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ व्यक्तिगत रूचि के साथ आमजनमानस तक पहुॅचाया जाएजिले की 50 योजनाओं को मिली ए प्लस ग्रेडिंगसीडीओ ने ई व डी ग्रेड वाली योजनाओं में बेहतर कार्य कर रैंकिंग सुधारने के दिए निर्देश अलीगढ़ मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के सफल संचालन के लिए मासिक बैठक आहुत की गई। सीडीओ ने सभी विभागीय अधिकारियों को निद. ेशित किया कि प्रदेश सरकार द्वारा संचा. लित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ व्यक्तिगत रूचि के साथ आमजनमानस तक पहुॅचाया जाए। उन्हा. ेने बैठक में देरी से उपस्थित आए अधिकारियों का नवंबर माह का वेतन रो. कने के लिए डीएसटीओ को निर्देशित किया कि वह वरिष्ठ कोषाधिकारी को पत्रालेख प्रस्तुत करें।सीडीओ ने कहा कि किसी भी कार्य की सफलता के लिए समय का ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक है। उचित समय प्रबंधन के बिना कोई भी कार्य पूर्ण नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि आप सभी राजपत्रित अधिकारी होकर पदीय दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। बैठक का एजेंडा दो दिन पूर्व जारी हो जाने के बावजूद भी समय का ध्यान न रखना लापरवाही का द्योतक है, जो क्षमायोग्य नहीं है। उन्होंने बैठक से नदारद रहे जिला प्रोबेशन अधिकारी अजित कुमार एवं बैठक में देरी से उप. स्थित हुए डीएचओ शिवानी तौमर, अधिशासी अभियंता सेतु निगम मोहित कुमार, बीडीओ लोधा आदिल फैज, बीडीओ अतरौली वेदप्रकाश का नवंबर माह का वेतन रोकने के निर्देश दिए।समीक्षा बैठक में फैमिली आईडी एवं राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना की शिथिल प्रगति पर सीडीओ द्वारा कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई। विकास योजनाओं की समीक्षा के दौरान सीडीओ ने श्श्ईश्श श्रेणी योजनाओं से संबंधित अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि वह विशेष प्रयास कर शासन द्वारा आवंटित लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें। समीक्षा के दौरान दो विभागीय योजनाओं में ई एवं डी ग्रेड, चार विभागीय योजनाओं में सी एवं तीन विभागीय योजनाओं में बी ग्रेड पाए जाने पर इन अधिकारियों को रैंकिंग में सुधार करने के निर्देश दिए। अच्छी बात यह रही कि जिले में संचालित 50 विभागीय योजनाओं में ए प्लस की रैंकिंग पाई गई।

एकादशी पर खाटू श्याम मंदिर में उमड़े भक्त

नगर और क्षेत्र में उत्पन्ना एकादशी श्रद्धापूर्वक मनाया गया। बिजलीघर रोड स्थित श्री खाटू श्याम गोवर्धनधाम मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड रही। श्रद्धालुओं ने विधि–विधान से खाटू श्याम की पूजा–अर्चना की और परिवार की सुख–समृद्धि की कामना की। नगर के अलावा दूर–दराज से भक्त खाटू श्याम के दर्शन के लिए पहुंचे। पूरे मंदिर परिसर को फूलों से सजाया गया था। खाटू श्याम का सतरंगी फूलों से विशेष शृंगार किया गया। गोवर्धन महाराज को भी विशेष वस्त्र पहनाए गए।श्रद्धालु गुलाब का फूल और इत्र की शीशी लेकर बाबा के दर्शन के लिए पहुंचे। बाबा को पंच मेवा, पेठा, माखन मिश्री और फलों का भोग लगाया गया। काफी भक्तों ने गोवर्धन महाराज की परिक्रमा की। शाम को मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने इस दिन से एकादशी का व्रत रखने का संकल्प लिया। मंदिर समिति के रजत अग्रवाल खोनू ने बताया कि अन्य दिनों की अपेक्षा एकादशी के दिन मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ते हैं।

मा0 सदस्य उ0प्र0 राज्य महिला आयोग ने की जनसुनवाई

अलीगढ़ उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की मा0 सदस्य श्रीमती मीना कुमारी द्वारा सर्किट हाउस, महिला थाना एवं तहसील खैर सभागार में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित मि. हलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने के लिए महिला जनसुनवाई की गई। उन्होंने बताया कि राज्य महिला आयोग महिलाओं, बालिकाओं के अधिकार सुनिश्चित कराने के लिए, उनकी समस्याओं शिकायतों की सुनवाई करने के लिए समय–समय पर जिलों में जनसुनवाई का आयोजन करता है। जहां मौके पर ही स्थानीय विभागीय अधिकारियों के माध्यम से उनकी समस्याओं व शिकायतों को सुन नि. राकरण कराया जाता है। जनसुनवाई के दौरान नगला महताब निवासी बा. लिका ने अपनी मां के साथ उपस्थित होकर मा0 सदस्य राज्य महिला आयोग को शिकायत करते हुए कहा की एक टिर्री चालक उसको रास्ते में छेड़–खानी करता है, जिसके कारण से उसने स्कूल जाना तक छोड़ दिया है। न्यायालय की शरण लेकर सबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, परंतु अभी भी टिर्री चालक सामान्य तौर पर अपना कार्य कर रहा है और वह डर के मारे स्कूल भी नहीं जा पा रही है। अतरौली निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि उसने अपनी बहन की शादी मुस्लिम रीति रिवाज से बदायूं के एक परिवार में पूर्ण सामर्थ्य से की थी। शादी के उपरांत बहन के दो बच्चे एक लड़का और एक लड़की जोकि लगभग 14 वर्ष की है। ससुराल पक्ष द्वारा लगातार विभिन्न तरह से पैसा और गाड़ी की मांग की जा रही है। अब तो उन्होंने तलाक के 2 नोटिस अतरौली मायके के पते पर भिजवा दिए हैं। वर्तमान में उनकी बहन ससुराल में एक कमरे में अलग रह रही है। मा0 सदस्य राज्य महिला आयोग ने एसओ महिला थाना को निर्देशित किया कि उभय पक्षों को बुलाकर प्रकरण को गम्भीरता से सुन आवश्यक कार्रवाई करें। दिल्ली निवासी एक परिवार ने प्रार्थना पत्र दिया कि उसकी शादी अलीगढ़ निवासी महिला से हुई है, उसकी पत्नी ससुराल नहीं जा रही है, जबकि वह बार बार लिवा जाने के कई प्रयास कर चुका है।महिला थाना एवं तहसील सभागार खैर में आयोजित जनसुनवाई के दौरान महिलाओं के स्वास्थ्य सुविधाएं, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, मारपीट, भूमि विवाद संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं। मा0 सदस्या ने शिकायतों को मौके पर संबंधित पुलिस एवं विभागीय अधिकारियों को संदर्भित करते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामले जो आपसी सुलह–समझौते के आधार पर निस्तारित किए जा सकते हैं, यथा संभव प्रयास कर उनका निपटारा किया जाए और जिन मामलों में विधिक प्रक्रिया अपनाई जानी है उनमें नियमानुसार कार्यवाही कर प्रकरणों को निस्तारित कराया जाए।मा0 सदस्या द्वारा महिला जनसुनवाई के उपरांत कस्तूरबा गॉधी बालिका विद्यालय चण्डौस का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान वार्डन को निर्देशित किया कि वह छात्राओं को अपनी बच्चियों की तरह भली–भांति देखभाल करते हुए उन्हें सरकार द्वारा पठन–पाठन, रहन–सहन एवं खान–पान संबंधी प्रदत्त सुविधाओं से लाभान्वित किया जाए। इस दौरान

उन्होंने रसोईघर, मीनू, शौचालय, छात्रावास, कक्षाकक्ष का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।इस अवसर पर एसडीएम महिमा राजपूत, एडी सूचना संदीप कुमार, सीओ तृतीय अशोक कुमार सिंह, महिला थाना इंचार्ज श्रीमती संजय कुमारी, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 खान चन्द, बाल संरक्षण अधिकारी श्रीमती हितेश कुमारी, सीडीपीओ श्रीमती प्रीती सिन्हा, काउंसलर सुश्री प्रीती शर्मा समेत संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कमिश्नरी में मंडलीय पेंशन अदालत संपन्न

अलीगढ़ अपर आयुक्त (प्रशासन) अरूण कुमार की अध्यक्षता एवं अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन आगरा व अलीगढ़ मण्डल महिमा चन्द के संयोजन में बुधवार को कमिश्नरी सभागार में मण्डलीय पेंशन अदालत का आयोजन किया गया।वरिष्ठ कोषाधिकारी अलीगढ़ योगेश कुमार द्वारा पेंशन अदालत की कार्यवाही का संचालन करते हुए अवगत कराया गया कि पेंशन अदालत के लिए कुल 19 वाद प्राप्त हुये थे, जिनमें से 10 वादों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया है। पेंशन अदालत में चुन्. नीलाल गुप्ता सेवानिवृत्त प्राविधिक सहायक ग्रुप–ए. कार्यालय उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी, कासगंज के पीप. ीओ में विधवा पुत्री के नामांकन न कराने के सम्बन्ध में उप कृषि निर्देशक कासगंज को शासनादेश के अनुसार 15 दिनों में कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया। इसी प्रकार मदन बाबू सेवा. निवृत्त ईजी प्रथम हरदुआगंज तापीय परियोजना कासिमपुर के सम्बन्ध में अपर आयुक्त प्रशासन द्वारा विभाग को शीघ्र आपत्तियों का निस्तारण कर पेंशन प्रकरण स्वीकर्ता अधिकारियों को भेजने के निर्देश दिये गये।अपर आयुक्त ने जग. न्नाथ प्रसाद सेवानिवृत्त वरिष्ठ सहायक कार्यालय अपर गंगा नहर आधुनिकीकरण–प्रथम बाँदा के सम्बन्ध में निर्देशित किया कि वाद बाँदा मण्डल को भेजा जाये। योगेश रावत कार्यालय जिला विद्यालय निरीक्षक अलीगढ़ के पेंशन पुनरीक्षण के सम्बन्ध में पेंशन अदालत को अवगत कराया गया कि सेवा पंजिका उपलब्ध न होने के कारण वाद का निस्तारण संभव नहीं हो पा रहा है। विभाग की ओर से सम्बन्धित विद्यालय से सम्पर्क किया जा रहा है। उन्होंने 15 दिनों के भीतर कार्यवाही सु. निश्चित करने के निर्देश दिये गये। इसी प्रकार किशन प्रसाद राय सेवानिवृत्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी वार्ष्णेय महाविद्यालय के सम्बन्ध में अपर आयुक्त ने अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन को कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

मण्डलीय पेंशन अदालत में वरिष्ठ कोषाधिकारी हाथरस सतीश कुमार, वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा अलीगढ़ निखलेश राजन, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी अलीगढ़ डा० सुशील जैन के साथ लेखाकार सुधीर कुमार शर्मा, सुशील कुमार गुप्ता, अनूप कुमार गुप्ता, राजकुमार, कनिष्ठ लिपिक पेंशन पटल सहायक गजेन्द्र सिंह राणा व उदयराज सिंह उपस्थित रहे। अन्त वरिष्ठ कोषाधिकारी योगेश कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर पेंशन अदालत की कार्यवाही समाप्त की गई।

सर्दियों में मूंगफली खाने के भी हैं गजब के फायदे

सर्दियों में डाइट का मतलब है हेवी और स्वादिष्ट खाना और बहुत कुछ. यह ऐसा मौसम है जब स्ट्रीट फूड, करी पत्ता वाले खाने और भी स्वादिष्ट हो जाते हैं. हालांकि, इसी बीच वजन को कंट्रोल में रखते हुए हेल्दी लाइफस्टाइल मेंटेन करना काफी जरूरी है. आज हम आपको हेल्दी ब्रेकफास्ट बनाने का तरीका बताएंगे जो काफी ज्यादा हेल्दी हो. मूंग. फली को स्नैक फूड माना जाता है. इसके कई सारे फायदे हैं. खासकर सर्दियों में इसे लोग खाना पसंद करते हैं. यह न केवल स्वादिष्ट है बल्कि पोषक तत्वों से भरपूर है जो सर्दियों की ठंड से लड़ने में मदद कर सकता है. सर्दियों में मूंगफली खाने के फायदे मूंगफली में होता है सोर्स ऑफ एनजीर्रू सर्दियों में अक्सर दिन छोटे होते हैं और तापमान ठंडा होता है, जिससे थकान महसूस हो सकती है. मूंगफली अपने स्वस्थ वसा और प्रोटीन की उच्च सामग्री के कारण ऊर्जा का एक उत्कृष्ट स्रोत है. मूंगफली की एक छोटी मुट्ठी तुरंत ऊर्जा प्रदान कर सकती है, जिससे वे सर्दियों की सुस्ती से निपटने के लिए एक आदर्श नाश्ता बन जाते हैं. वसा और प्रोटीन का संयोजन पूरे दिन ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है, जिससे आप सक्रिय और सतर्क रहते हैं. हार्ट हेल्थ के लिए होता है फायदेमंदरू मूंगफली का नियमित सेवन बेहतर हृदय स्वास्थ्य में योगदान दे सकता है. मूंग. फली मोनोअनसैचुरेटेड वसा से भरपूर होती है, जो खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने और हृदय रोग के जोखिम को कम करने के लिए जानी जाती है. इसके अतिरिक्त, मूंगफली में रे. स्वेराट्रोल जैसे एंटीऑक्सिडेंट होते हैं,

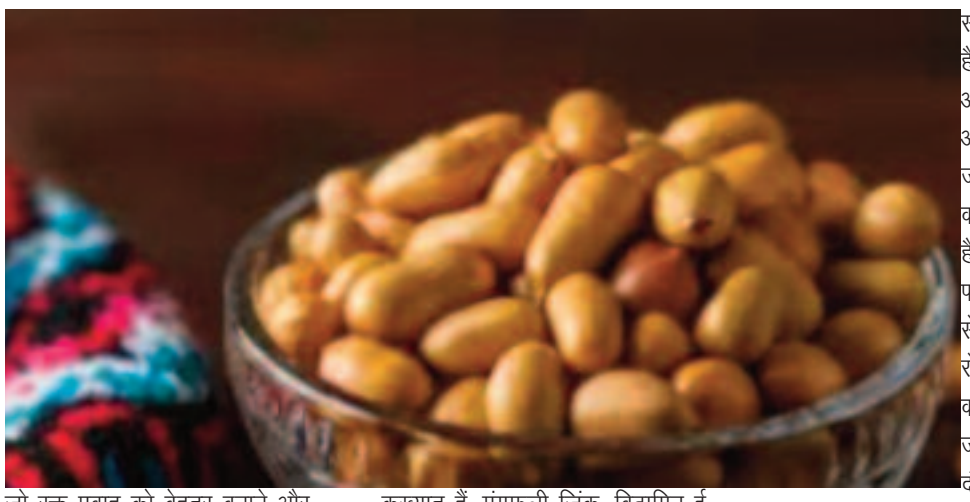

जो रक्त प्रवाह को बेहतर बनाने और सूजन को रोकने में मदद कर सकते हैं. यह सर्दियों में विशेष रूप से फायदेमंद होता है जब ठंड के मौसम के कारण उच्च रक्तचाप चिंता का विषय हो सकता है.इम्युनिटी के लिए होता फायदेमंदरू सर्दियों के महीने सर्दी और फ्लू के लिए कुख्यात हैं. मूंगफली जिंक, विटामिन ई और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों का एक अच्छा स्रोत है जो प्रतिरक्षा प्रणाली का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. जिंक, विशेष रूप से, प्रतिरक्षा कार्य के लिए महत्वपूर्ण है, जो संक्रमणों को दूर रखने में मदद करता है.पाचन में सहायता करता हैरू मूंगफली में आहार फाइबर अधिक होता है, जो स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देता है. नियमित फाइबर का सेवन कब्ज को रोकने में मदद कर सकता है, जो सर्दियों के दौरान एक आम समस्या है जब लोग कम सक्रिय हो सकते हैं और कम पानी पीते हैं. यह मल त्याग में सहायता करता है और स्वस्थ आंत माइक्रोबायोम में योगदान देता है. पोषक तत्वों से भरपूर ये विभिन्न विटा. मिन और खनिजों से भरपूर होते हैं.

विंटर में आपके लुक पर चार चांद लगा देंगे

ठंड के मौसम में आलस और आलस्य के कारण लोग अक्सर सर्दियों में खुद को अच्छा स्टाइल करना भूल जाते हैं. हालांकि, इससे अक्सर लोगों का गलत प्रभाव पड़ता है. तो, इसमें आपकी मदद करने के लिए यहां कुछ ऐसे तरीके बताए गए हैं जो बिना ज़्यादा मेहनत के आपके सर्दियों के लुक को निखारेंगे और आपको शानदार लुक देंगे.बेल्ट एक खू. बसूरत एक्सेसरी है जो किसी भी लुक को निखार सकती है. फैशनपरस्तों के बीच ये बेल्ट सर्दियों के मौसम में और भी ज़्यादा लोकप्रिय हो जाती हैं. बेल्ट पहनना आपके आउटफिट को नया जीवन देने का सबसे आसान तरीका है और ब्लेजर उनमें से एक है. आप अपनी पसंद की कोई भी बेल्ट चुन सकते हैं और इसे अपने कोट के ऊपर पहनकर एक नया विंटर आउटफिट बना सकते हैं. यह न केवल आपके आउटफिट को नया लुक देगा, बल्कि यह आपके स्टाइल में चार चांद भी लगाएगा.स्कार्फ किसी भी सर्दियों के आउटफिट के लिए एक बेहतरीन जोड़ है. हालांकि, अपने आउटफिट से अलग रंग का सही प्रकार का स्कार्फ चुनना आपको भीड़ में अलग दिखा सकता है. स्कार्फ कई तरह की शैलियों में आते हैं और इन्हें कई तरह से पहना जा सकता है. इसलिए अपने कपड़ों से अलग रंग का स्कार्फ चुनें और कमाल का दिखें. स्कार्फ की कई शैलियां हैं– लंबे स्कार्फ, शॉल, मफलर, स्टोल, इत्यादि.आप मौसम के बहुत ज़्यादा ठंडा होने पर भी ड्रेस पहनना नहीं छोड़ना चाहते हैं. तो चिंता न करें क्योंकि शानदार शीयर स्टॉकिंग्स आपके शानदार ड्रेस में आपको सर्दियों का स्वाद देने के लिए मौजूद हैं. अपने गर्म और आरामदायक स्वेटर ड्रेस के साथ अपने पैरों पर शीयर स्टॉकिंग्स की एक जोड़ी पहनें और अपने आकर्षण से सभी को आकर्षित करने के लिए तैयार हो जाएं. ये शीयर स्टॉकिंग्स आपको तुरंत ज़्यादा पॉलिश्ड लुक दे सकती हैं, और आप ठंडी सर्दियों की चिंता किए बिना अपने पैरों को दिखा सकती हैंइस मौसम में, स्टाइलिश और चमकदार लुक के लिए अलग–अलग टेक्सचर के साथ खेलें. लेयरिंग के कई स्टाइल हैं जो आपको कैजुअल से लेकर क्लासी लुक दे सकते

हैं, जो भी लुक आप चाहते हैं, यह आपके द्वारा चुने गए कपड़ों के चुनाव पर निर्भर करता है. गर्म रहने के लिए लेयरिंग बहुत जरूरी है.तस्वीर में सोनम कपूर ने शानदार विंटर लेयरिंग की है. उन्होंने गर्म टर्टलनेक से शुरुआत की और फिर अपने चेक्ड को–ऑर्ड्स को गर्म न्यूड शेड के ऊनी कोट के साथ पेयर किया. उन्होंने उस छोटी सी डिटेल के लिए एक सुंदर स्कार्फ भी पहना है. सोनम कपूर का यह लुक वाकई कमाल का है.बुने हुए कार्डिगन ठंड से बचाने वाले बेहतरीन आउटफिट हैं. हालांकि, रंगों का एक स्पलैश आपके सबसे साधारण, उबाऊ या खुशनुमा आउटफिट को भी अलग बना सकता है. वे आपके आउटफिट को और ज़्यादा जीवंत बना सकते हैं और आपको खुशनुमा लुक दे सकते हैं. अगर आप यह आउटफिट चुनते हैं. तो आपको कई तारीफें मिलने की संभावना है और साथ ही यह याद भी दिलाया जाएगा कि आप कितनी खू. बसूरत दिख रही हैं.

पार्टनर पर होता है शक, तो इसे दूर करने के लिए आजमाएं ये टिप्स

पति पत्नी का रिश्ता बहुत खूबसूरत रिश्ता होता है. इस रिश्ते में लड़ाई झगड़ा, हंसी मजाक, नोक झोंक होती रहती है. लेकिन कब यह छोटी छोटी नोक झोंक बड़ी बन जाए, पता नहीं चलता है. अधिकतर रिश्ते में कपल्स एक दूसरे पर शक करना शुरू कर देते हैं. लेकिन कई बार गलतफहमियों की वजह से रिश्ता टूटने की कगार पर आ जाता है.पार्टनर पर शकऐसे में अगर आप भी हर छोटी–छोटी बातों पर अपने पार्टनर पर शक करते हैं, तो यह खबर आपके लिए है. आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आप आप अपने पार्टनर पर ज्यादा शक नहीं कर पाएंगे, क्योंकि शक की वजह से ही कई रिश्ते टूटते हैं. आइए जानते हैं उन टिप्स के बारे में.अपने आप से करें बातजब भी आप अपने पार्टनर पर शक करने लगे, तो सबसे पहले अपने आप से बात करें कि क्या शक करना सही है या नहीं. इसके अलावा आप अपनी भावनाओं को अपने पार्टनर के सामने रख सकते हैं, ताकि आप दोनों गलतफहमी से बचे रहे.पार्टनर से खुले दिल से करें बातआपको अपने पार्टनर से खुले दिल से बात करनी चाहिए और अपने विचारों को मन में रखने के बजाय अपने पार्टनर से खुलकर कहना चाहिए. आपको अपनी बात रखने के साथ–साथ अपने पार्टनर की भी सभी बातों को ध्यान से सुनना चाहिए और एक दूसरे पर भरोसा करना चाहिए.एक दूसरे के साथ समय बिताएं अगर आप दोनों कपल्स एक दूसरे के साथ समय बिताएंगे, तो इससे अपने आप शक काम होता जाएगा और आपका रिश्ता वापस मजबूत बनेगा. आपको जब भी लगी कि आप हर छोटी–छोटी बात पर शक करते हैं, तो अपनी कमजोरी को स्वीकार करें और इस पर काम करना शुरू करें.काउंसलर की मदद लेंइसके अलावा आप अपने पार्टनर के साथ दोस्त जैसा व्यवहार करें. अगर इन सभी टिप्स के बाद भी शक को लेकर आप दोनों कपल्स के बीच में लड़ाई झगड़े होते रहते हैं, तो आप किसी काउंसलर की मदद ले सकते हैं. शक करना एक आम बात है, लेकिन इसे लंबे समय तक मन में रखने से रिश्ता टूट सकता है.इसलिए अपने पार्टनर से खुलकर बात करें, भरोसा करें और किसी पेशेवर काउंसलर की मदद ले. इन सभी टिप्स की मदद से आप अपने पार्टनर पर रोजाना जरूरत से ज्यादा शक नहीं करेंगे.

चेस्ट दबाने से हार्ट अटैक और हार्ट फेल दोनों में बच सकती है जान

आजकल हमारी गलत आदतों की वजह से कई खतरनाक बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं. कार्डियक अरेस्ट भी इनमें से एक है.पिछले कुछ सालों में हार्ट अटैक और हार्ट फेलियर के मामलों में तेजी आई है. खराब लाइफस्टाइल खानपान की वजह से युवा भी इसका शिकार बन रहे हैं. ये बीमारियां ऐसी हैं, जो तुरंत मौत का कारण बन सकती हैं.मेडिकल जर्नल दे लैसेंट के अनुसार, देश में हर साल 5–6 लाख लोग अचानक आए कार्डियक अरेस्ट की वजह से जान गंवा देते हैं. इसमें ज्यादातर लोगों की उम्र 50 साल से कम है. हार्ट अटैक और हार्ट फेल होने पर कई तरह की फर्स्ट एड ट्रीटमेंट को लेकर दावे किए जाते हैं. इनमें से ही एक है चेस्ट दबाना. कहा

जाता है कि दोनों कंडीशन में अगर मरीज का चेस्ट दबाया जाए तो जान बच सकती है. आइए जानते हैं इसकी सच्चाई...क्या हार्ट अटैक में चेस्ट दबाने से बच सकती है जानहेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि कार्डियक अरेस्ट की कंडीशन में अगर चेस्ट को दबाया जाए तो मरीज की जान बचने की संभावना बढ़ जाती है. इसे मेडिसिन टर्म में कहा जाता है. हालांकि, इसकी जानकारी कम लोगों को होती है. जिसकी वजह से मरीज को मदद नहीं मिल पाती है.सीपीआर हार्ट अटैक या हार्ट फेलियर में एक तरह का इमरज. ेंसी लाइफ सेविंग टेक्नीक हो सकती है, जो दिल की धड़कन रुकने पर मरीज को बचा सकती है.अगर किसी को सीप. ीआर देना नहीं आता है तो भी वह अपने हाथों की मदद से मरीज के चेस्ट को दबा सकता है, इससे तुरंत मदद मिल सकती है. दरअसल, जब हार्ट पंप करा बंद कर देता है तब शरीर में खून नहीं जा पाता है, जिससे ऑक्सीजन और न्यूट्रिशन की सप्लाई रूक जाती है. इसलिए हार्ट को तुरंत चालू करने की जूररत होती है. इसके लिए हम हार्ट को एक्सटरनल कंप्रेशन यानी हाथ से सीने को दबाया जाता है, जिसेस हार्ट में जो ब्लड है, वह पूरे शरीर में जाए. कम से कम 4–5 बार सीने पर दबाव डालने और मुंह से फूंक मारने पर ब्लड शरीर में जा सकता है. चेस्ट को तब तक दबाना होता है, जब तक हार्ट फिर से काम न करने लगे

बच्चेदानी में होती हैं ये बड़ी परेशानियां

यूट्रस यानी बच्चेदानी महिलाओं के शरीर का बेहद अहम अंग है, जो प्रेगनेंसी के दौरान भ्रूण को सहारा देता है, लेकिन कई बार बच्च. ेदानी में समस्याएं हो सकती हैं, जो महिलाओं के लिए खतरनाक हो सकती हैं. इन समस्याओं को कभी भी इग्नोर नहीं करना चाहिए. इनके लक्षण नजर आते ही तुरंत डॉक्टर से मिलकर सलाह लेनी चाहिए. आइए जानते हैं कि बच्चेदानी में कौन–कौन सी परेशानियां हो सकती हैं और उनके लक्षण क्या हैं बच्चेदानी की सूजन बैक्टीरियल इंफेक्शन की वजह से हो सकता है. इसमें उनके पेट में अक्सर दर्द बना रहता है, बुखार आता है या वैजाइनल डिस्चार्ज भी हो सकता है. ऐसी समस्याओं को इग्नोर नहीं करना चाहिए.यूट्रस में पॉलीप्स भी. हलाओं की बच्चेदानी की पॉलीप्स एक ऐसी समस्या है जो यूट्रस की दीवार पर हो सकती है. इसमें पीरियड्स समय पर नहीं आता है. पेट दर्द अक्सर बना रहता है, बिना किसी कारण थकान होती है या वैजा. इनल डिस्चार्ज की समस्या हो सकती है. फाइब्रॉइड्सयह यूट्रस से जुड़ी एक बीमारी है, जिसमें बच्चेदानी के अंदर या बाहर गांठें बन जाती हैं. इन्हें ट्यूमर कहा जाता है. इससे पीड़ित महिला के पीरियड्स प्रभावित हो सकते हैं, एनीमिया यानी खून की कमी हो सकती है. यहां तक की बांझपन भी झेलना पड़ सकता है. इस समस्या के नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है.यूट्रस से जुड़ीइस बीमारी की लाइनिंग एंडोमेट्रियम कहलाती है. ये पीरियड्स में ब्लीडिंग के तौर पर शरीर से बाहर आता है. एंडोमेट्रियोसिस होने पर एंडोमेट्रियम में उन जगहों पर बढ़ जाता है, जहां नहीं बढ़ना चाहिए. जैसे– ओवरी, आंत और पेल्विक कैविटी टिशूज. इसमें खून बाहर आने की बजाय अंदर ट्यूब में ही जमने लगता है, जिससे प्रगनेंसी में दिक्कतें होने लगती हैं. कई अध्ययनों में पाया गया है कि दुनिया में हर 10 में से एक महिला को ये परेशानी है. इससे बांझपन जैसी समस्याएं हो सकती है.बच्चेदानी की समस्याओं का इलाज बच्चेदानी की सूजन या इंफे. क्शन के इलाज के लिए डॉक्टर एंटीबायोटिक दवाएं दे सकते हैं. बच्चेदानी की पॉलीप्स या ट्यूमर का इलाज सर्जरी से किया जा सकता है . महिलाओं में इस तरह की समस्याओं के लिए उन्हें हामा. ेनल दवाएं भी डॉक्टर दे सकते हैं.

आवश्यकता है

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें –
अमित कुमार वर्मा –संम्पादक
मौ:–8218049162,8273402499

जननायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित
सम्पादक–अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा